



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 07]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 5, 2017/वैशाख 15, 1939

No. 07]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 5, 2017/VAISAKHA 15, 1939

रक्षा मंत्रालय

(रक्षा विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मई, 2017

का.नि.आ. 10(अ).— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ –

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुसेना वेतन नियम, 2017 है।
- (2) ये नियम 1 जनवरी, 2016 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. लागू होना :-

- (1) इन नियमों द्वारा या इसके अधीन अन्यथा उपबंधित के सिवाय, ये नियम ऐसे मानद कमीशंड अफसरों, मास्टर वारंट अफसर, वारंट अफसर, जूनियर वारंट अफसर, सार्जेंट, कारपोरल, लीडिंग एयरक्राफ्टसमेन और एयरक्राफ्टसमेन जो कि 1 जनवरी, 2016 को वायुसेना की वास्तविक संख्या पर थे ; और ऐसे रंगरूट जो वायुसेना में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, लागू होंगे।

3. परिभाषाएं- इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो-

(क) “विद्यमान मूल वेतन” से, विहित विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन में आहरित वेतन अभिप्रेत है किंतु इसमें विशेष वेतन, सैन्य सेवा वेतन, समूह 'एक्स' वेतन आदि जैसे किसी अन्य प्रकार के वेतन सम्मिलित नहीं हैं।

(ख) वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के संबंध में “विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन” से इन नियमों की अधिसूचना से ठीक पहले की तारीख को (उपांतरित सुनिश्चित कैरियर प्रगति के अधीन सहित) उसके द्वारा वास्तविक हैसियत में धारित रैंक के लिए लागू वेतन बैंड और ग्रेड वेतन अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण- खंड (क) और खंड (ख) के प्रयोजन के लिए ऐसे किसी भी वारंट अफसर/ सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/ एयरक्राफ्टमैन के संबंध में जो 01 जनवरी, 2016 को भारतीय वायुसेना से बाहर प्रतिनियुक्ति पर था या छुट्टी पर था या अन्यत्र सेवा में था या जो उस तारीख को एक या अधिक निचले रैंक पर स्थानापन्न होता किंतु उच्चतर रैंक पर स्थानापन्न था "विद्यमान मूल वेतन", "विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन" पद से उस रैंक से संबंधित ऐसा मूल वेतन, वेतन बैंड और ग्रेड वेतन अभिप्रेत होगा जो वह उसके, यथास्थिति, भारतीय वायुसेना के बाहर प्रतिनियुक्ति पर या छुट्टी पर या अन्यत्र सेवा पर या उस रैंक पर स्थानापन्न होने के बजाय धारित करता ;

(ग) वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के संबंध में "विद्यमान वेतन संरचना" से, इन नियमों के प्रवृत्त होने से ठीक पहले की तारीख को वास्तविक हैसियत में उसके द्वारा धारित रैंक के लिए लागू वेतन बैंड और ग्रेड वेतन की वर्तमान पद्धति (आशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगति के अंतर्गत सहित) अभिप्रेत है।

(घ) किसी वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के संबंध में **विद्यमान सैन्य सेवा वेतन** से इन नियमों के प्रवृत्त होने से ठीक पहले की तारीख को उसके द्वारा धारित रैंक के लिए लागू एमएसपी की धनराशि अभिप्रेत है।

(ङ.) किसी वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के संबंध में **विद्यमान समूह 'एक्स' वेतन** से इन नियमों के प्रवृत्त होने से ठीक पहले की तारीख को उसके द्वारा धारित रैंक के लिए लागू समूह 'एक्स' वेतन की धनराशि अभिप्रेत है।

(च) "विद्यमान परिलब्धियों" से (i) विद्यमान मूल वेतन; (ii) विद्यमान सैन्य सेवा वेतन, (iii) विद्यमान समूह 'एक्स' वेतन और (iv) 01 जनवरी, 2016 को सूचकांक औसत पर विद्यमान मंहगाई भत्ते का योग अभिप्रेत है;

(छ) "वेतन मैट्रिक्स" से अनुसूची के भाग-क में विनिर्दिष्ट मैट्रिक्स अभिप्रेत है जिसमें वेतन के लेवल तदनुसूची वेतन बैंड और ग्रेड वेतन के लिए यथा-निर्दिष्ट लम्बवत् कोष्ठिकाओं में दिए गए हैं;

(ज) वेतन मैट्रिक्स में "लेवल" से, अनुसूची के भाग-क में विनिर्दिष्ट विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन के लिए तदनुसूची लेवल अभिप्रेत होगा।

(झ) "लेवल में वेतन" से अनुसूची के भाग-क में यथा-विनिर्दिष्ट लेवल में उपयुक्त कोष्ठिका में आहरित वेतन अभिप्रेत है।

(ञ) वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के संबंध में "**सैन्य सेवा वेतन**" से वेतन मैट्रिक्स में विहित लेवल में वेतन के आहरण पर उसके द्वारा धारित रैंक के लिए लागू सैन्य सेवा वेतन अभिप्रेत है।

(ट) वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के संबंध में "**समूह 'एक्स' वेतन**" से वेतन मैट्रिक्स में विहित लेवल में वेतन के आहरण पर उसको लागू समूह 'एक्स' वेतन अभिप्रेत है।

(ठ) किसी रैंक के संबंध में "**पुनरीक्षित वेतन संरचना**" से (उपांतरित सुनिश्चित कैरियर प्रगति के अधीन सहित) उस रैंक के विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन के तत्स्थानी वेतन मैट्रिक्स और उसमें विनिर्दिष्ट लेवल अभिप्रेत है।

(ड) पुनरीक्षित वेतन संरचना में "**मूल वेतन**" से, वेतन मैट्रिक्स में विहित लेवल में आहरित वेतन अभिप्रेत है।

(ढ) "**पुनरीक्षित परिलब्धियों**" से (i) मूल वेतन ; (ii) सैन्य सेवा वेतन ; और (iii) समूह 'एक्स' वेतन का योग अभिप्रेत है ;

(ण) "अनुसूची" से, इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।

4. **रैंकों के लेवल** – रैंकों के लेवल का अवधारण उन विभिन्न लेवलों के अनुसार किया जाएगा जो कि वेतन मैट्रिक्स में यथा-विनिर्दिष्ट तत्स्थानी विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन (उपांतरित सुनिश्चित कैरियर प्रगति के अधीन सहित) के लिए नियत किए गए हों और वारंट अफसर / सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के रैंक के लिए तदनुसूची वेतन मैट्रिक्स में लेवल अनुसूची के भाग 'ख' में विनिर्दिष्ट है।

5. वेतन का आहरण :

(1) इन नियमों में या उपबंधित के सिवाय वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन उस रैंक को जिस पर उसे नियुक्त किया गया है (उपांतरित सुनिश्चित कैरियर प्रगति के अधीन सहित) लागू पुनरीक्षित वेतन संरचना के नियत लेवल में वेतन आहरित करेगा;

परंतु कि कोई वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन विद्यमान वेतन संरचना में अपनी अगली अथवा किसी अनुवर्ती अर्जित करने वेतनवृद्धि की तारीख तक या उसके अपना रैंक धारण करने तक अथवा विद्यमान वेतन संरचना में वेतन आहरण करना बंद करने तक विद्यमान वेतन संरचना में वेतन आहरण जारी रखने का विकल्प चुन सकेगा।

परंतु यह और कि ऐसे मामलों में जहां वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन को 01 जनवरी, 2016 तथा इन नियमों की अधिसूचना की तारीख के बीच प्रोन्नति के कारण उच्चतर ग्रेड वेतन में रखा गया हो तो वह ऐसी प्रोन्नति की तारीख से संशोधित वेतन संरचना में आने के विकल्प का चयन कर सकेगा।

स्पष्टीकरण

(i) इस नियम के प्रयोजन के लिए, इस नियम के उपबंधों के अधीन विद्यमान वेतन संरचना में प्रतिधारित रहने का विकल्प केवल एक विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन के संबंध में स्वीकार्य होगा।

(ii) पूर्वोक्त विकल्प 01 जनवरी, 2016 को या उसके पश्चात किसी पद पर सरकारी सेवा में पहली बार नियुक्त या किसी अन्य पद से स्थानान्तरण पर नियुक्त किसी वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के लिए स्वीकार्य नहीं होगा और उसे केवल पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन अनुज्ञात होगा।

2. (i) सैन्य सेवा वेतन वायुसेना में सेवा की विशेष शर्तों से संबंधित विभिन्न अप्रत्यक्ष पहलुओं के लिए प्रतिकार है।

(ii) सैन्य सेवा वेतन मानद कमीशन प्राप्त अफसरों के लिए 15,500/-रु0 और अन्य सभी वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन रैंक के लिए 5,200/- रु0 की दर से वेतन मैट्रिक्स में विहित लेवल में वेतन के आहरण पर अनुज्ञेय होगा ;

(iii) सैन्य सेवा वेतन को मंहगाई भत्ता और पेंशन की संगणना के प्रयोजन के लिए वेतन के रूप में संगणित किया जाएगा।

(3) (i) समूह 'एक्स' वेतन केवल समूह 'एक्स' के वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन को समूह 'वाई' के वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन की तुलना में उनकी उच्चतर शैक्षणिक योग्यता के कारण उनको अनुज्ञेय एक नियत धनराशि है।

(ii) ट्रेड ग्रुप 'एक्स' और ट्रेड ग्रुप 'वाई' में समान रैंकों के लिए लेवल समान होंगे। ग्रुप 'एक्स' वेतन, वेतन मैट्रिक्स में विहित लेवल में वेतन के आहरण पर:

(क) ग्रुप 'एक्स' ट्रेड के लिए 6200/- रु0 का उच्चतर दर जिसके लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा के समतुल्य अर्हता अपेक्षित है ; और

(ख) अन्य ग्रुप 'एक्स' ट्रेडों जिनके पास अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त तकनीकी अर्हता नहीं हैं, के लिए 3600/-रु0 की निम्नतर दर; पर अनुज्ञेय होगा।

(iii) जब सुसंगत ग्रुप 'एक्स' ट्रेडों में कोई वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन ग्रुप 'एक्स' वेतन की निम्नतर दर आहरित कर रहा हो और वह अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा मान्यताप्राप्त डिप्लोमा के समतुल्य उच्चतर तकनीकी अर्हता अर्जित कर लेता है तो उसे सम्बद्ध सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से ग्रुप 'एक्स' वेतन की उच्चतर दर अनुज्ञेय होगी।

(iv) जब कोई वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन ग्रुप 'वाई' से ग्रुप 'एक्स' में दोबारा नियुक्त होता है तो उसे उपर्युक्त उपखंड (II) के अधीन यथालागू ग्रुप 'एक्स' वेतन अनुज्ञेय होगा।

(v) ग्रुप 'एक्स' वेतन को केवल मंहगाई भत्ते की संगणना करने के प्रयोजन के लिए वेतन के रूप में संगणित किया जाएगा।

6. विकल्प का प्रयोग-

- (1) नियम 5 के उपबंधों के अधीन विकल्प का प्रयोग इन नियमों से संलग्न प्रारूप में लिखित में किया जाएगा जिससे कि वह, इन नियमों की अधिसूचना की तारीख से एक सौ अस्सी दिन के भीतर या यदि विद्यमान वेतन संरचना में कोई संशोधन इन नियमों की अधिसूचना की तारीख के पश्चात्‌वर्ती किसी आदेश से किया जाता है, तो ऐसे आदेश की तारीख से एक सौ अस्सी दिन के भीतर वायुसेना केन्द्रीय लेखा कार्यालय, नई दिल्ली के पास पहुंच जाए।

परंतु -

- (i) ऐसा वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन जो, यथास्थिति, ऐसी अधिसूचना की तारीख को या ऐसे आदेश की तारीख को, यथास्थिति, छुट्टी पर या प्रतिनियुक्ति पर अथवा अन्यत्र सेवा में या सक्रिय सेवा पर देश से बाहर है, के मामले में उक्त विकल्प का प्रयोग लिखित में इस प्रकार किया जाएगा जिससे कि वह, भारत में उसके द्वारा अपना पदभार ग्रहण किए जाने की तारीख से एक सौ अस्सी दिन के भीतर वायुसेना केन्द्रीय लेखा कार्यालय, नई दिल्ली के पास पहुंच जाए; और
- (ii) यदि वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन 01 जनवरी, 2016 को निलंबनाधीन है तो इस विकल्प का प्रयोग वह अपनी छुट्टी पर अपनी वापसी की तारीख से एक सौ अस्सी दिन के भीतर कर सकेगा यदि वह तारीख इस उप-नियम में नियत तारीख के पश्चात् की तारीख हो।

(2) वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन द्वारा इस विकल्प की सूचना इन नियमों से संलग्न प्रारूप में, एक वचनबंध के साथ अपने वायुसेना केन्द्रीय लेखा कार्यालय, नई दिल्ली को दी जाएगी।

(3) यदि विकल्प से संबंधित सूचना, इन नियमों के अधिसूचित होने की तारीख से एक सौ अस्सी दिनों के भीतर वायुसेना केन्द्रीय लेखा कार्यालय, नई दिल्ली को प्राप्त नहीं होती है, तो वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन ने 01 जनवरी, 2016 से पुनरीक्षित वेतन संरचना द्वारा शासित होने के विकल्प का चयन कर लिया समझा जाएगा।

(4) एक बार दिया गया विकल्प अंतिम विकल्प होगा।

टिप्पण 1- ऐसे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन की जिनकी सेवाएं 01 जनवरी, 2016 को या उसके पश्चात् समाप्त कर दी गई थीं और जो संस्वीकृत पदों की समाप्ति, त्यागपत्र, बर्खास्तगी पर सेवोन्मुक्ति के कारण अथवा अनुशासनिक आधार पर सेवोन्मुक्ति के कारण नियत समय सीमा में इस विकल्प का प्रयोग नहीं कर सके थे, उप-नियम (1) के अधीन विकल्प चयन के हकदार होंगे।

टिप्पण 2- ऐसे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन की जिनकी 01 जनवरी, 2016 को या उसके पश्चात् मृत्यु हो गई है और जो नियत समय-सीमा में इस विकल्प का प्रयोग नहीं कर सके थे, के संबंध में यह समझा जाएगा कि उन्होंने 01 जनवरी, 2016 से ही या उनके आश्रितों के लिए सर्वाधिक लाभप्रद ऐसी बाद की तारीख से इस पुनरीक्षित वेतन संरचना के विकल्प का चयन कर लिया है यदि पुनरीक्षित वेतन संरचना अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल है और ऐसे मामलों में बकाया राशि के भुगतान के लिए आवश्यक कार्रवाई वायुसेना केन्द्रीय लेखा कार्यालय, नई दिल्ली या वायुसेना रिकार्ड कार्यालय या एयर वेटरन निदेशालय, नई दिल्ली द्वारा की जाएगी।

टिप्पण 3- ऐसे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन जो 01 जनवरी, 2016 को ऐसी वार्षिक छुट्टी या किसी अन्य छुट्टी, पर थे, जो उन्हें छुट्टी वेतन का हकदार बनाता है, उप-नियम (1) के अधीन विकल्प चुनने के हकदार होंगे।

7. पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन का नियतन :

(1) ऐसा वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन जो 01 जनवरी, 2016 से ही संशोधित वेतन संरचना से शासित होने के लिए नियम 6 के अधीन विकल्प का चयन करता है या यह समझा गया है कि उसने विकल्प का चयन कर लिया है, का वेतन, जब तक कि किसी मामले में राष्ट्रपति, विशेष आदेश द्वारा अन्यथा निदेश नहीं देते, निम्नलिखित रीति से निर्धारित किया जाएगा।

(i) वेतन मैट्रिक्स में लागू लेवल में वेतन वह वेतन होगा जो 2.57 के गुणांक से विद्यमान मूल वेतन को गुणा करके निकटतम रूपए तक पूर्णांकित करने पर प्राप्त होगा और इस प्रकार प्राप्त राशि वेतन

मैट्रिक्स के उसी लेवल में तलाशी जाएगी और यदि वेतन मैट्रिक्स के लागू लेवल की किसी कोष्ठिका में तदनुसूची कोई समरूप राशि है तो वही राशि वेतन होगी और यदि प्रयोज्य लेवल में ऐसी कोई कोष्ठिका उपलब्ध न हो, तो वेतन मैट्रिक्स के उस लागू लेवल में उससे ठीक अगली उच्चतर कोष्ठिका में वेतन नियत किया जाएगा।

- (ii) यदि प्रयोज्य लेवल में न्यूनतम वेतन या प्रथम कोष्ठिका की राशि उपर्युक्त उप-खण्ड (i) के अनुसार प्राप्त राशि से अधिक है तो वेतन, उस प्रयोज्य लेवल के न्यूनतम पर या प्रथम कोष्ठिका में निर्धारित किया जाएगा;

दृष्टांत :

1.	विद्यमान वेतन बैंड: पीबी-1	वेतन बैंड	5200 -20200		
2.	विद्यमान ग्रेड वेतन : 2400	ग्रेड वेतन	2000	2400	2800
3.	विद्यमान वेतन: 10160	लेवल	3	4	5
4.	विद्यमान मूल वेतन [(2)+(3)] : 2400 +10160 = 12560	1	21700	25500	29200
5.	2.57[(4)x2.57] के फिटमेंट गुणांक से गुणा करने के पश्चात् वेतन : 32279.2 (32279 में पूर्णांकित)	2	22400	26300	30100
6.	ग्रेड वेतन 2400 का तत्स्थानी लेवल : लेवल 4	3	23100	27100	31000
7.	वेतन मैट्रिक्स में संशोधित वेतन (लेवल 4 में या तो 32279 के बराबर या उससे अगली उच्चतर राशि): 32300	4	23800	27900	31900
8.	वेतन मैट्रिक्स में पुनरीक्षित वेतन : 32300	5	24500	28700	32900
		6	25200	29600	33900
		7	26000	30500	34900
		8	26800	31400	35900
		9	27600	32300	37000
		10	28400	33300	38100
		11	29300	34300	39200
		12	30200	35300	40400
		13	31100	36400	41600
		14	32000	37500	42800
		15	33000	38600	44100
		16	34000	39800	45400

- (2) कोई वारंट अफसर/सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन जो 01 जनवरी, 2016 को छुट्टी पर है और वह छुट्टी वेतन का हकदार है, 01 जनवरी, 2016 से अथवा पुनरीक्षित वेतन संरचना के लिए विकल्प चयन की तारीख से पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन का हकदार हो जाएगा।

- (3) निलंबन के अधीन वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन विद्यमान वेतन संरचना के आधार पर निर्वाह भत्ता प्राप्त करता रहेगा तथा पुनरीक्षित वेतन संरचना में उसका वेतन, लंबित अनुशासनिक कार्यवाही में दिए जाने वाले अंतिम आदेश के अध्यक्षीन होगा।
- (4) यदि किसी वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के मामले में विद्यमान परिलब्धियां संशोधित परिलब्धियों से अधिक हैं तो यह अंतर व्यक्तिगत वेतन के रूप में अनुज्ञात होगा और वेतन में होने वाली भावी बढ़ोत्तरियों में उसे समाहित कर लिया जाएगा।
- (5) जहां नियम 7 के अधीन वेतन मैट्रिक्स में वेतन के निर्धारण में यदि कोई वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन 01 जनवरी, 2016 से ठीक पहले विद्यमान वेतन संरचना में उसी शाखा/सेना में दूसरे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन से अधिक वेतन प्राप्त कर रहा था और पुनरीक्षित वेतन संरचना में ऐसे कनिष्ठ के वेतन से निचली कोष्ठिका में निर्धारित हो जाता है, तो उसका वेतन पुनरीक्षित वेतन संरचना में उसी कोष्ठिका तक बढ़ा दिया जाएगा जिस कोष्ठिका में उसके कनिष्ठ का वेतन है।
- (6) जहां कोई वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन को इन नियमों की अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले व्यक्तिगत वेतन प्राप्त कर रहा है जो उसकी विद्यमान परिलब्धियों के साथ जुड़ने पर संशोधित परिलब्धियों से अधिक हो जाता है, वहां ऐसा आधिक्य दर्शाने वाला अंतर उस वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन को व्यक्तिगत वेतन के रूप में दिया जाएगा और वेतन में होने वाली भावी बढ़ोत्तरियों में उसे समाहित कर लिया जाएगा।
- (7) ऐसे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन, जो 01 जनवरी, 2016 से पूर्व "हिन्दी शिक्षण योजना" के अधीन हिन्दी प्राज्ञ, हिन्दी टंकण, हिन्दी आशुलिपि और दूसरी ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करने पर या रोकड़ और लेखा मामलों में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर व्यक्तिगत वेतन प्राप्त कर रहे हैं, के मामले में जबकि पुनरीक्षित वेतन संरचना में आरंभिक वेतन के निर्धारण के उद्देश्यों के लिए व्यक्तिगत वेतन को हिसाब में नहीं लिया जाएगा, वे पुनरीक्षित वेतन संरचना में अपने वेतन के निर्धारण के सिवाय 01 जनवरी, 2016 या उसके तत्पश्चात् उस अवधि के लिए जिसके लिए उन्होंने इसका आहरण कर लिया होता, पुनरीक्षित वेतन संरचना में अपने वेतन के निर्धारण के पश्चात् व्यक्तिगत वेतन आहरित करते रहेंगे। ऐसे व्यक्तिगत वेतन की मात्रा का भुगतान वेतन के निर्धारण की तारीख से पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन वृद्धि की उपयुक्त दर पर उस अवधि के लिए किया जाएगा जिसके लिए वे इसे आहरित करते रहे होंगे।

स्पष्टीकरण : इस उप नियम के प्रयोजन के लिए, "पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन वृद्धि की उपयुक्त दर" से उस चरण जिसमें पुनरीक्षित वेतन संरचना में वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन का वेतन निर्धारित किया जाता है, से वेतन मैट्रिक्स के प्रयोज्य लेवल में ठीक अगली उच्च कोष्ठिका का अंतर अभिप्रेत है।

- (8) **01 जनवरी, 2016 के पश्चात् प्रोन्नत एक कनिष्ठ द्वारा वेतन मैट्रिक्स में अधिक वेतन आहरित करने पर एक ज्येष्ठ के वेतन को बढ़ाया जाना**

(i) ऐसे मामलों में जहां कोई ज्येष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन जो 01 जनवरी, 2016 से पहले किसी उच्चतर पद पर प्रोन्नत किया गया था, पुनरीक्षित वेतन संरचना में अपने कनिष्ठ जिसे 01 जनवरी, 2016 को अथवा उसके पश्चात् उच्चतर पद पर प्रोन्नत किया जाता है, से कम वेतन आहरित करता है तो ज्येष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन का वेतन पुनरीक्षित वेतन संरचना में बढ़ाकर उस उच्चतर पद पर उसके कनिष्ठ के लिए यथा-निर्धारित वेतन के बराबर कर दिया जाएगा और यह वृद्धि निम्नलिखित शर्तों को पूरा किए जाने के अध्यक्षीन कनिष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन की प्रोन्नति की तारीख से की जाएगी, अर्थात्

- (क) कनिष्ठ और ज्येष्ठ दोनों वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन एक ही समूह/अंग/सेवा/शाखा के हों और जिस रैंक पर उन्हें प्रोन्नत किया गया है वे उसी समूह/अंग/सेवा/शाखा के समरूप पद हों;
- (ख) निम्नतर और उच्चतर रैंकों जिनमें वे वेतन पाने के हकदार हैं, के वेतन मैट्रिक्स में विद्यमान ग्रेड वेतन और पुनरीक्षित लेवल समरूप हों;
- (ग) प्रोन्नति के समय ज्येष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन कनिष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के वेतन के बराबर या उससे अधिक वेतन प्राप्त कर रहा हो।
- (घ) विसंगति सीधे तौर पर इस नियम या पुनरीक्षित वेतन संरचना में ऐसी प्रोन्नति पर वेतन नियतन को विनियमित करने वाले किसी अन्य नियम या आदेश के उपबंधों के लागू होने के परिणामस्वरूप होगी।

परंतु यदि कोई कनिष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन उसे दी गई किसी अग्रिम वेतनवृद्धि के आधार पर विद्यमान वेतन संरचना में ज्येष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन से अधिक वेतन आहरित कर रहा था तो ज्येष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के वेतन मैट्रिक्स में बढ़ाने के लिए इस नियम के उपबंधों का अवलंब नहीं लिया जाएगा।

- (ii) ज्येष्ठ वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन अपनी अपेक्षित अर्हक सेवा पूरी करने पर वेतन के पुनर्निर्धारण की तारीख से अगली वेतन वृद्धि पाने का हकदार होगा।

8. प्रशिक्षणरत रंगरूट की वृत्तिका का विनियमन तथा सफल अनुप्रमाणन या मस्टरिंग के पश्चात उसके वेतन का नियतन

- (1) 01 जनवरी, 2016 को या उसके पश्चात प्रशिक्षणरत कोई रंगरूट 14,600/-रुपए प्रतिमास वृत्तिका आहरित करेगा।
- (2) सफल अनुप्रमाणन या मस्टरिंग होने पर, किसी रंगरूट का वेतन ऐसी वेतनवृद्धियों को, जो स्वीकार्य हों, जोड़ने के पश्चात उस लेवल में, जिसमें उसे भर्ती किया गया है, प्रथम कोष्ठिका में नियत किया जाएगा। ऐसे नियतन हेतु, प्रथम वार्षिक वेतनवृद्धि की गणना उसके अभ्यवेशन की तारीख से की जाएगी।
- (3) सफल अनुप्रमाणन या मस्टरिंग होने पर, कोई रंगरूट को "एकमुश्त राशि" का संदाय किया जाएगा। इस उप-नियम के प्रयोजन हेतु, "एकमुश्त राशि" निम्नलिखित के बीच अंतर से अभिप्रेत होगा :
- (क) लेवल में वेतन, समूह 'एक्स' वेतन, आबंटित ट्रेड के भत्ते और मंहगाई भत्ते जिसके लिए वह अपने अभ्यवेशन की तारीख से हकदार होता, यदि उसकी मस्टरिंग या अनुप्रमाणन सफलतापूर्वक किया गया होता, का योग ; और
- (ख) वृत्तिका जिसके लिए वह प्रशिक्षण के लिए हकदार है (चाहे ऐसी वृत्तिका प्राप्त की गई थी या नहीं)।
- (4) "वृत्तिका के बकायों" का भुगतान किया जाएगा।

स्पष्टीकरण – इस उप-नियम के प्रयोजन के लिए "बकाया वृत्तिका" से निम्नलिखित के बीच का अंतर अभिप्रेत है ;

- (क) वृत्तिका जिसके लिए वह 01 जनवरी, 2016 से प्रभावी अवधि के लिए इन नियमों के अधीन अपनी वृत्तिका के पुनरीक्षण के फलस्वरूप हकदार है ; और
- (ख) ऐसी वृत्तिका, जिसके लिए वह यदि उसकी वृत्तिका को इस प्रकार पुनरीक्षित नहीं की गई होती तो उस अवधि के लिए वह हकदार हो गया होता (चाहे ऐसी वृत्तिका प्राप्त कर ली गई थी या नहीं)।

9. वेतन मैट्रिक्स में वेतनवृद्धियों का विनियमन – वेतन वृद्धि, वेतन मैट्रिक्स में लागू लेवल की लम्बवत कोष्ठिका में यथा-विनिर्दिष्ट होगी।

दृष्टांत :

लेवल 4 में 29,600 रुपए मूल वेतन प्राप्त कर रहा एक कारपोरल उसी लेवल में लंबवत नीचे की ओर कोष्ठिकाओं में चलेगा और वेतन वृद्धि दिए जाने पर उसका मूल वेतन 30,500 रुपए हो जाएगा।	वेतन बैंड	5200 – 20200		
	ग्रेड वेतन	2000	2400	2800
	लेवल	3	4	5
	1	21700	25500	29200
	2	22400	26300	30100
	3	23100	27100	31000
	4	23800	27900	31900
	5	24500	28700	32900
	6	25200	29600	33900
	7	26000	30500	34900
8	26800	31400	35900	

10. पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतनवृद्धि की तारीख -

- (1) 01 जुलाई की विद्यमान तारीख के स्थान पर वेतन वृद्धि की दो तारीखें होंगी अर्थात् प्रत्येक वर्ष की 01 जनवरी और 01 जुलाई, परंतु कोई वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन या कोई रंगरूट अपनी, यथास्थिति, नियुक्ति या प्रोन्नति या वित्तीय उन्नयन की तारीख के आधार पर 01 जनवरी या 01 जुलाई को केवल एक वार्षिक वेतनवृद्धि प्राप्त करने का हकदार होगा।
- (2) 02 जनवरी और 01 जुलाई के बीच (दोनों दिवस सम्मिलित) की अवधि के दौरान नियुक्त या प्रोन्नत या वित्तीय रूप से प्रोन्नत वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन या भर्ती रंगरूट के संबंध में वेतनवृद्धि 01 जनवरी को दी जाएगी और ऐसे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/ एयरक्राफ्टमैन जिसे 02 जुलाई और 01 जनवरी के बीच (दोनों दिवस सम्मिलित) की अवधि में नियुक्ति या प्रोन्नति या वित्तीय उन्नयन दिया गया हो अथवा भर्ती रंगरूट के संबंध में वेतनवृद्धि 01 जुलाई को दी जाएगी।

दृष्टांत :

- (क). 02 जुलाई, 2016 और 1 जनवरी, 2017 की अवधि के दौरान सामान्य क्रम में प्रोन्नत वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के मामले में पहली वेतनवृद्धि 01 जुलाई, 2017 को प्रोद्भूत होगी और उसके पश्चात से यह वेतनवृद्धि एक वर्ष के पश्चात वार्षिक आधार पर प्रोद्भूत होगी।
- (ख). ऐसे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन जिन्हें सामान्य अधिकतम में 15 जून, 2016 को प्रोन्नति दी गई है, अतः वे 01 जुलाई 2016 को वार्षिक वेतनवृद्धि प्राप्त नहीं करेंगे। ऐसे मामले में, अगली वार्षिक वेतनवृद्धि 01 जनवरी, 2017 को प्रोद्भूत होगी और उसके पश्चात से यह एक वर्ष के पश्चात वार्षिक आधार पर प्रोद्भूत होगी।

परंतु ऐसे वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के मामले में, पुनरीक्षित वेतन संरचना में जिनका वेतन 01 जनवरी के अनुसार नियत किया गया है, उस लेवल में जिसमें उनका वेतन 01 जनवरी, 2016 को इस प्रकार निर्धारित किया गया था, उन्हें अगली वेतनवृद्धि 01 जुलाई, 2016 को प्रोद्भूत होगी।

परंतु यह और कि 01 जुलाई, 2016 को वेतनवृद्धि प्राप्त करने के पश्चात् अगली वेतनवृद्धि 01 जुलाई, 2017 को प्रोद्भूत होगी।

11. **01 जनवरी, 2016 के पश्चात्पूर्वी तारीख से वेतन का पुनरीक्षण** – जहां कोई वारंट अफसर/ सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन जो विद्यमान वेतन संरचना में अपना वेतन आहरित करना जारी रखता है और उसे 01 जनवरी, 2016 के अपश्चात् की किसी तारीख से पुनरीक्षित वेतन संरचना में लाया जाता है, वहां पुनरीक्षित वेतन संरचना में उसका वेतन नियम 7 के अनुसार विहित रीति से नियत किया जाएगा।

12. **01 जनवरी, 2016 को या उसके पश्चात् प्रोन्नति या उन्नयन पर वेतन का नियतन** - पुनरीक्षित वेतन संरचना में एक लेवल से दूसरे लेवल में प्रोन्नति या उन्नयन की दशा में, वेतन नियतन के लिए एक वेतनवृद्धि उस लेवल में दी जाएगी जिसमें से वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन को प्रोन्नत या उन्नयित किया जाता है और उसे उस पद जिसमें प्रोन्नति या उन्नयन दिया गया है, के लेवल में इस प्रकार प्राप्त राशि के समतुल्य किसी कोष्ठिका में रखा जाएगा और यदि ऐसी कोई कोष्ठिका उस लेवल जिसमें प्रोन्नति दी गई है, में उपलब्ध नहीं है तो उसे उस लेवल से अगली उच्चतर कोष्ठिका में रखा जाएगा।

दृष्टांत :

1. पुनरीक्षित वेतन संरचना में लेवल : लेवल 4 2. पुनरीक्षित वेतन संरचना में मूल वेतन: 28700 3. प्रोन्नति/वित्तीय उन्नयन दिया गया लेवल 5 4. लेवल 4 में एक वेतनवृद्धि दिए जाने के पश्चात् वेतन : 29600 5. उन्नत लेवल अर्थात् लेवल 5 में वेतन (लेवल 5 में 29600 के बराबर या उससे उच्चतर राशि) : 30100	वेतन बैंड		5200-20200	
	ग्रेड वेतन	2000	2400	2800
	लेवल	3	4	5
	1	21700	25500	29200
	2	22400	26300	30100
	3	23100	27100	31000
	4	23800	27900	31900
	5	24500	28700	32900
	6	25200	29600	33900
	7	26000	30500	34900
	8	26800	31400	35900
	9	27600	32300	37000

13. **वेतन का बकाया राशि के संदाय की रीति –**

(1) पुनरीक्षित वेतन के संदर्भ में वायुसेना भविष्य निधि की वर्धित दर पर अंशदान के पश्चात् संगणित बकाया भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के दिनांक 10/10/2016 के पत्र सं. 1(11)2016/रक्षा(वेतन/सेवाएं) के अनुसार संदत्त तदर्थ बकाया की कटौती के पश्चात् संदत्त किया जाएगा।

स्पष्टीकरण- इस नियम के प्रयोजनार्थ, किसी वारंट अफसर /सार्जेंट/ कारपोरल/ लीडिंग एयरक्राफ्टमैन/एयरक्राफ्टमैन के संबंध में "वेतन की बकाया राशि" से निम्नलिखित के बीच अंतर अभिप्रेत है:

- (i) वेतन, मंहगाई भत्ते, ग्रुप 'एक्स' वेतन तथा सैन्य सेवा वेतन, जिसका वह इन नियमों के अधीन अपने वेतन के पुनरीक्षण के कारण 01 जनवरी, 2016 से प्रभावी अवधि के लिए हकदार है, का योग; और
- (ii) वेतन, मंहगाई भत्ते, ग्रुप 'एक्स' वेतन तथा सैन्य सेवा वेतन, जिसका वह उस अवधि के लिए हकदार होता (चाहे ऐसा वेतन और मंहगाई भत्ता प्राप्त किया हो अथवा नहीं) यदि उसका वेतन और भत्ता इस प्रकार संशोधित न किया गया होता, का योग।

14. **नियमों का अध्यारोही प्रभाव –** समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय वायुसेना 1955, के लिए वेतन और भत्ते विनियम के उपबंध तथा विद्यमान अनुदेश और विनियम, इन नियमों के अधीन यथा-उपबंधित अन्यथा के सिवाय ऐसे मामलों को, उस सीमा तक जहां तक वे नियम इन नियमों से असंगत हैं, लागू नहीं होंगे जहां वेतन इन नियमों के अधीन विनियमित

किया गया है। इन नियमों से विशेष वायुसेना आदेश 1/एस/2008 उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया या करने का लोप किया गया था, अधिक्रांत हो जाएंगे।

15. **शिथिल करने की शक्ति** – जहां राष्ट्रपति का समाधान हो जाता है कि इन नियमों के सभी या किन्हीं उपबंधों के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में असम्यक कठिनाई पैदा हो रही है, तो वह, आदेश द्वारा, ऐसी सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह मामले में न्यायसंगत और समतापूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक समझे, उस उपबंध की अपेक्षाओं को हटा सकेंगे।

16. **निर्वचन** – यदि इस नियम में अंतर्विष्ट किसी के उपबंधों में से किसी उपबंध के निर्वचन के संबंध में कोई प्रश्न उद्भूत होता है, तो उसे विनिश्चय के लिए केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा।

अनुसूची

[नियम 3 (ख) तथा 4 देखें]

भाग-क

वेतन मैट्रिक्स

वेतन बैंड	5200-20200			9300-34800					15600-3900	
ग्रेड वेतन	2000	2400	2800	3400	4200	4600	4800	5400	5400	6100
लेवल	3	4	5	5ए	6	7	8	9	10	10बी
1	21700	25500	29200	33300	35400	44900	47600	53100	56100	61300
2	22400	26300	30100	34300	36500	46200	49000	54700	57800	63100
3	23100	27100	31000	35300	37600	47600	50500	56300	59500	65000
4	23800	27900	31900	36400	38700	49000	52000	58000	61300	67000
5	24500	28700	32900	37500	39900	50500	53600	59700	63100	69000
6	25200	29600	33900	38600	41100	52000	55200	61500	65000	71100
7	26000	30500	34900	39800	42300	53600	56900	63300	67000	73200
8	26800	31400	35900	41000	43600	55200	58600	65200	69000	75400
9	27600	32300	37000	42200	44900	56900	60400	67200	71100	77700
10	28400	33300	38100	43500	46200	58600	62200	69200	73200	80000
11	29300	34300	39200	44800	47600	60400	64100	71300	75400	82400
12	30200	35300	40400	46100	49000	62200	66000	73400	77700	84900
13	31100	36400	41600	47500	50500	64100	68000	75600	80000	87400
14	32000	37500	42800	48900	52000	66000	70000	77900	82400	90000
15	33000	38600	44100	50400	53600	68000	72100	80200	84900	92700
16	34000	39800	45400	51900	55200	70000	74300	82600	87400	95500
17	35000	41000	46800	53500	56900	72100	76500	85100	90000	98400
18	36100	42200	48200	55100	58600	74300	78800	87700	92700	101400
19	37200	43500	49600	56800	60400	76500	81200	90300	95500	104400
20	38300	44800	51100	58500	62200	78800	83600	93000	98400	107500
21	39400	46100	52600	60300	64100	81200	86100	95800	101400	110700
22	40600	47500	54200	62100	66000	83600	88700	98700	104400	114000
23	41800	48900	55800	64000	68000	86100	91400	101700	107500	117400
24	43100	50400	57500	65900	70000	88700	94100	104800	110700	120900

भाग-ख

रैंकों का लेवल :

क्र.सं.	रैंक	वेतन मैट्रिक्स में लेवल
(क)	एयर क्राफ्ट मैन/लीडिंग एयर क्राफ्ट मैन	3
(ख)	कारपोरल	4
(ग)	सार्जेंट	5
(घ)	जूनियर वारंट अफसर	6
(ङ)	वारंट अफसर	7
(च)	मास्टर वारंट अफसर	8
(छ)	आनरेरी फ्लाइंग अफसर	10
(ज)	आनरेरी फ्लाइट लेफ्टिनेंट	10बी

विकल्प का फॉर्म

{नियम 6 (2) देखें}

*1. मैं, रैंक _____ नाम _____ सेवा सं. _____ शाखा _____ एतद्वारा 01 जनवरी, 2016 से संशोधित वेतन संरचना का चयन करता हूँ/करती हूँ।

*2. मैं, रैंक _____ नाम _____ सेवा सं. _____ शाखा _____ अपने निम्न-उल्लिखित वास्तविक रैंक के वेतन बैंड और ग्रेड वेतन में

मेरी अगली वेतनवृद्धि की तारीख तक / मेरी पश्चातवर्ती वेतनवृद्धि की तारीख तक जब मेरा वेतन बढ़कर _____ रूप में हो जाए / मेरे विद्यमान वेतन संरचना में वेतन आहरित करना छोड़ने / बंद करने तक / विद्यमान वेतन बैंड और ग्रेड वेतन / विद्यमान वेतनमान _____ में _____ के पद पर मेरी प्रोन्नति की तारीख तक बने रहने का चयन करता हूँ / करती हूँ:

हस्ताक्षर _____

नाम _____

रैंक _____

सेवा संख्या _____

यूनिट _____

तारीख : _____

स्टेशन : _____

* जो लागू न हो, उसे काट दें।

वचनबंध

मैं, यह वचन देता हूँ कि मेरा वेतन इन नियमों में अंतर्विष्ट उपबंधों से विपरीत रीति में निर्धारित हो जाने जिसका पता बाद में लगे, की स्थिति में इस प्रकार किया गया कोई अधिक भुगतान या तो मेरे बकाया भावी भुगतानों में समायोजित करके या फिर अन्य रीति से सरकार को वापस किया जाएगा।

हस्ताक्षर _____

नाम _____

रैंक _____

सेवा संख्या _____

यूनिट _____

तारीख : _____

स्टेशन : _____

[फा.सं. 1(9)/2016/रक्षा(वेतन/सेवाएं)]

वी. आनन्दराजन, संयुक्त सचिव

व्याख्यात्मक ज्ञापन.- सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग को 01 जनवरी, 2016 से कार्यान्वित कर दिया गया है। उसी प्रकार, भारत संघ के रक्षा कार्मिक 01 जनवरी, 2016 से सातवें केन्द्रीय वेतन संशोधन हेतु पात्र हैं। तदनुसार, इन नियमों को 01 जनवरी, 2016 से पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किया गया है। एतद्वारा, यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू किए जाने से कोई कार्मिक प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं होगा।

MINISTRY OF DEFENCE**(Department of Defence)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd May, 2017

S.R.O. 10(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, namely:

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called Air Force Pay Rules, 2017.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of January, 2016.

2. Application.—

(1) Save as otherwise provided by or under this rule, these rules shall apply to Honorary Commissioned Officers, Master Warrant Officer, Warrant Officer, Junior Warrant Officer, Sergeant, Corporal, Leading Aircraftsman, and Aircraftsman, who were on the effective strength of the Air Force as on the 1st day of January, 2016; and Recruits in Air Force undergoing training.

3. Definitions.— In these rules, unless the context otherwise requires,-

(a) “**existing basic pay**” means pay drawn in the prescribed existing Pay Band and Grade Pay but it does not include any other types of pay like Special Pay, Military Service Pay, Group ‘X’ Pay etc;

(b) “**existing Pay Band and Grade Pay**” in relation to Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/ Leading Aircraftsman/Aircraftsman means the pay band and the grade pay applicable to the rank held by him (including under Modified Assured Career Progression) as on the date immediately before the notification of these rules, in a substantive capacity;

Explanation.— For the purpose of clauses (a) & (b) the expressions “existing basic pay”, “existing pay band and grade pay” in respect of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman who, on the 1st day of January, 2016, was on deputation out of Indian Air Force or on leave or on foreign service, or who would have on that date officiated in one or more lower ranks but for his officiating in the higher rank, shall mean such basic pay, pay band and grade pay in relation to the rank which he would have held but for his being on deputation out of Indian Air Force or on leave or on foreign service or as the case may be, but for his officiating in that rank;

- (c) **“existing pay structure”** in relation to a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman means the present system of pay band and grade pay as per the Sixth Central Pay Commission applicable to the rank held by him (including under Modified Assured Career Progression) as on the date immediately before the coming into force of these rules, in a substantive capacity;
- (d) **“existing Military Service Pay”** in relation to a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman means the amount of Military Service Pay applicable to the rank held by him as on date immediately before coming into force of these rules;
- (e) **“existing Group ‘X’ pay”** in relation to a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman means the amount of Group ‘X’ Pay applicable to him as on date immediately before coming into force of these rules;
- (f) **“existing emoluments”** mean the sum of (i) existing basic pay; (ii) existing Military Service Pay; (iii) existing Group X Pay; and, (iv) existing dearness allowance at the index average as on the 1st day of January, 2016;
- (g) **“Pay Matrix”** means the Matrix specified in Part A of the Schedule, with Levels of pay arranged in vertical cells as assigned to corresponding Pay Band and Grade Pay;
- (h) **“Level”** in the Pay Matrix, means the Level corresponding to the existing Pay Band and Grade Pay specified in the Part A of the Schedule;
- (i) **“pay in the Level”** means the pay drawn in the appropriate Cell of the Level as specified in Part A of the Schedule;
- (j) **“Military Service Pay”** in relation to a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman means the Military Service Pay applicable to the rank held by him on drawal of pay in the prescribed level in the pay matrix;
- (k) **“Group ‘X’ pay”** in relation to a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman means the *Group ‘X’ pay* applicable to him on drawal of pay in the prescribed level in the pay matrix;
- (l) **“revised pay structure”** in relation to a rank means the pay matrix and the levels specified therein corresponding to the existing pay band and grade pay of the rank (including under Modified Assured Career Progression);
- (m) **“basic pay”** in the revised pay structure means the pay drawn in the prescribed level in the pay matrix;
- (n) **“revised emoluments”** means the sum of (i) basic pay; (ii) Military Service Pay; and, (iii) Group ‘X’ Pay; and
- (o) **“Schedule”** means a schedule appended to these rules.

4. Level of ranks.— The Level of ranks shall be determined in accordance with the various Levels as assigned to the corresponding existing pay band and grade Pay (including under Modified Assured Career Progression) as specified in the Pay Matrix and the level in pay matrix corresponding to the rank of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman is specified in Part B of the Schedule.

5. Drawal of pay.— (1) Save as otherwise provided in these rules, Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman shall draw pay in the level in the revised pay structure applicable to the rank to which he is appointed (including under Modified Assured Career Progression):

Provided that a Warrant Officer /Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman may elect to continue to draw pay in the existing pay structure, until the date on which he earns his next or any subsequent increment in the existing pay structure, or until he ceases to hold his rank or ceases to draw pay in the existing pay structure.

Provided further that in case a Warrant Officer /Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman has been placed in a higher grade pay between the 1st day of January 2016 and the date of notification of these rules on account of promotion, he may elect to switch over to the revised pay structure from the date of such promotion.

Explanation.— (i) For the purpose of this rule the option to retain the existing pay structure under the provisions of this rule shall be admissible only in respect of one existing pay band and grade pay.

(ii) The aforesaid option will not be admissible to any Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman appointed to a post on or after the 1st day of January, 2016, whether for the first time in government service or by transfer from another post and he shall be allowed pay only in the revised pay structure.

(2) (i) Military Service Pay is a compensation for the various intangible aspects linked to the special conditions of service in Air Force;

(ii) Military Service Pay shall be admissible on drawal of pay in the prescribed Level in the Pay Matrix, at the rate of Rs 15,500 for Honorary Commissioned Officers, and Rs 5,200 for all other Warrant Officers/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman;

(iii) Military Service Pay shall be counted as pay for the purpose of computation of dearness allowance and pension;

(3) (i) Group 'X' Pay is a fixed amount admissible to a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman of Group 'X' only, because of his higher educational qualification vis-à-vis a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman of Group 'Y'.

(ii) The Levels for same ranks in trade Group 'X' and trade Group 'Y' shall be same. Group 'X' Pay shall be admissible on drawal of pay in the prescribed Level in the Pay Matrix at:

(a) a higher rate of Rs 6,200, for Group 'X' trades which requires a qualification equivalent to a diploma recognised by All India Council for Technical Education; and

(b) a lower rate of Rs 3,600, for other Group 'X' trades, but not having a technical qualification recognised by All India Council for Technical Education;

(iii) when a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman in relevant Group 'X' trades drawing a lower rate of Group 'X' Pay acquires a higher technical qualification equivalent of a diploma recognised by All India Council for Technical Education, he shall be admissible to higher rate of Group 'X' Pay with the approval of concerned Competent Authority;

(iv) when a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman is re-mustered from Group 'Y' to Group 'X', he shall be admissible Group 'X' Pay as applicable under sub-clause (ii) above;

(v) Group 'X' Pay shall be counted as pay for the purpose of computation of dearness allowance only;

6. Exercise of option.—

(1) The option under the provisions to rule 5 shall be exercised in writing in the form appended to these rules so as to reach the Air Force Central Account Office New Delhi within one hundred and eighty days of the date of notification of these rules, or where revision in the existing pay structure is made by any order subsequent to the date of notification of these rules, within one hundred and eighty days of the date of such order.

Provided that;

(i) in the case of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman who is, on the date of such notification or, as the case may be, date of such order, out of India on leave or deputation or foreign service or active service, the said option shall be exercised in writing so as to reach the Air Force Central Account Office New Delhi within one hundred and eighty days of the date of his taking charge of his post in India; and,

(ii) Where a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman is under suspension on the 1st day of January, 2016, the option may be exercised within one hundred and eighty days of the date of his return to his duty, if that date is later than the date prescribed in this sub-rule.

(2) The option, along with an undertaking appended to these rules, shall be intimated by a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/ Aircraftsman to the Air Force Central Account Office New Delhi.

(3) If the intimation regarding option is not received by the Air Force Central Account Office New Delhi within one hundred and eighty days of the date of notification of these rules, the Warrant Officers/ Sergeants/Corporals/Leading Aircraftsmans/Aircraftsmans shall be deemed to have elected to be governed by the revised pay structure with effect from the 1st day of January, 2016.

(4) The option once exercised shall be final.

Note 1.— Warrant Officers / Sergeants/ Corporals/ Leading Aircraftsmans / Aircraftsmans whose services were terminated on or after the 1st day of January, 2016 and who could not exercise the option within the prescribed time limit, on account of discharge on the expiry of the sanctioned strength, release, resignation, dismissal or discharge on disciplinary grounds, are entitled to exercise option under sub-rule (1).

Note 2.— Warrant Officers/ Sergeants/ Corporals/ Leading Aircraftsmans/ Aircraftsmans who have died on or after the 1st day of January, 2016 and could not exercise the option within the prescribed time limit, are deemed to have opted for the revised pay structure on and from the 1st day of January, 2016 or such later date as is most beneficial to their dependents, if the revised pay structure is more favourable and in such cases, necessary action for payment of arrears shall be taken by the Air Force Central Account Office or Air Force Record Office or Directorate of Air Veterans New Delhi.

Note 3.— Warrant Officers/ Sergeants/ Corporals/ Leading Aircraftsmans/ Aircraftsmans who were on Annual Leave or any other leave on the 1st day of January, 2016, which entitled them to leave salary, shall be entitled to exercise option under sub-rule (1).

7. Fixation of pay in the revised pay structure.—

(1) The pay of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman who elects, or is deemed to have elected under rule 6 to be governed by the revised pay structure on and from the 1st day of January, 2016, shall, unless in case the President by special order otherwise directs, be fixed in the following manner:

(i) The pay in the applicable Level in the pay matrix shall be the pay obtained by multiplying the existing basic pay by a **factor of 2.57**, rounded off to the nearest rupee, and the figure so arrived at shall be located in that level in the pay matrix, and if such an identical figure corresponds to any cell in the applicable level of the pay matrix, the same shall be the pay, and if no such cell is available in the applicable level, the pay shall be fixed at the immediate next higher cell in that applicable level of the pay matrix.

(ii) If the minimum pay or the first cell in the applicable level is more than the amount arrived at as per clause (i) the pay shall be fixed at the minimum pay or the first cell of that applicable level.

Illustration:

1.	Existing Pay Band : PB-1	Pay Band			5200 –20200		
2.	Existing Grade Pay : 2400	Grade Pay	2000	2400	2800		
3.	Existing Pay : 10160	Levels	3	4	5		
4.	Existing Basic Pay [(2)+(3)=(4)] : 2400 + 10160 = 12560	1	21700	25500	29200		
		2	22400	26300	30100		
		3	23100	27100	31000		
		4	23800	27900	31900		
		5	24500	28700	32900		
		6	25200	29600	33900		
		7	26000	30500	34900		
		8	26800	31400	35900		
		9	27600	32300	37000		
		10	28400	33300	38100		
		11	29300	34300	39200		
		12	30200	35300	40400		
		13	31100	36400	41600		
		14	32000	37500	42800		
		15	33000	38600	44100		
		16	34000	39800	45400		
5.	Pay after multiplication by a fitment factor of 2.57 [(4) x 2.57] : 32279.2 (rounded off to 32279)						
6.	Level corresponding to Grade Pay 2400 (PB-1) : Level 4						
7.	Revised Pay in Pay Matrix (either equal to or next higher to 32279 in Level 4) : 32300						
8.	Revised Pay in Pay Matrix: 32300						

(2) A Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman who is on leave on the 1st day of January, 2016 and is entitled to leave salary shall become entitled to pay in the revised pay structure from the 1st day of January, 2016, or the date of option for the revised pay structure.

(3) A Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman under suspension shall continue to draw subsistence allowance based on existing pay structure, and his pay in the revised pay structure shall be subject to the final order on the pending disciplinary proceedings.

(4) Where the existing emoluments exceed the revised emoluments in the case of any Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman, the difference shall be allowed as Personal Pay to be absorbed in future increases in pay.

(5) Where in the fixation of pay in the Pay Matrix under rule 7, the pay in the Pay Matrix of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman, who, in the existing pay structure was drawing immediately before the 1st day of January, 2016 more pay in the Pay Band than another Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman in the same arm/service, gets fixed in the revised pay structure at a stage lower than that of such junior, his pay in the Pay Matrix shall be stepped up to the same Cell in the revised pay structure as that of the junior.

(6) Where a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman is in receipt of Personal Pay immediately before the date of notification of these rules, which together with his existing emoluments exceed the revised emoluments, then the difference representing such excess shall be allowed to such a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman as Personal Pay, to be absorbed in future increase in pay.

(7) In case of Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman who are in receipt of Personal Pay for passing Hindi Pragma, Hindi Typewriting, Hindi shorthand and such other examinations under the "**Hindi Teaching Scheme**" or on successfully undergoing training in cash and accounts matters prior to 1st day of January, 2016, while the Personal Pay shall not be taken into account for purposes of fixation of initial pay in the revised pay structure, they would continue to draw Personal Pay after fixation of their pay in the revised pay structure on and from the 1st day of January 2016 or subsequently for the period for which they would have drawn it but for the fixation of their pay in the revised pay structure. The quantum of such personal pay would be paid at the appropriate rate of increment in the revised pay structure from the date of fixation of pay for the period for which they would have continued to draw it.

Explanation.— For the purpose of this sub-rule, "appropriate rate of increment in the revised pay structure" means the difference with respect to the next immediate higher Cell in the applicable Level of the Pay Matrix, from the stage at which the pay of the Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman is fixed in the revised pay structure

(8) There shall be stepping up of pay in pay matrix of a senior if a junior promoted after 1st January, 2016 draws more pay in pay matrix..—

(i) In cases where a senior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/ Aircraftsman promoted to a higher rank before the 1st day of January, 2016 draws less pay in the Pay Matrix in the revised pay structure than his junior who is promoted to the higher rank on or after the 1st day of January, 2016, the pay in the Pay Matrix of the senior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman in the revised pay structure shall be stepped up to an amount equal to the pay in the Pay Matrix as fixed for his junior in that higher rank, and such stepping up shall be done with effect from the date of promotion of the junior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman, subject to fulfilment of the following conditions, namely:

(a) Both the junior and senior Warrant Officers/ Sergeants/Corporals/Leading Aircraftsmans/ Aircraftsmans belong to the same group/arm/ service/ branch and the rank to which they have been promoted are identical in the same group/arm/ service/ branch.

(b) The existing grade pay and the revised Level in the Pay Matrix of the lower and higher ranks in which they are entitled to draw pay are identical.

(c) The senior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/ Aircraftsman at the time of promotion is drawing equal or more pay than the junior.

(d) The anomaly is directly as a result of the application of the provisions of this Rule or any other rule or order regulating pay fixation on such promotion in the revised pay structure.

Provided that if the junior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/ Aircraftsman was drawing more pay in the existing pay structure than the senior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/ Aircraftsman by virtue of any advance increments granted to him, the provisions of this Rule shall not be invoked to step up the pay in the Pay Matrix of the senior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman.

(ii) The senior Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman shall be entitled to the next increment on completion of his required qualifying service with effect from the date of re-fixation of pay.

8. Regulation of stipend of a recruit undergoing training and fixation of his pay after successful attestation or mustering.—

(1) A recruit undergoing training on or after the 1st day of January 2016 shall draw a stipend of Rs. 14,600 per month.

(2) On successful attestation or mustering, the pay of a recruit shall be fixed after adding increments, as may be admissible, to the first Cell in the Level to which he is recruited. For such fixation, the first annual increment shall be reckoned from his date of enrolment.

(3) On successful attestation or mustering, a recruit shall be paid “lump-sum amount”. For the purpose of this sub-rule, “lump-sum amount” shall mean the difference between:

(a) the aggregate of pay in the level, Group ‘X’ Pay, allowance of the trade to which allotted, and dearness allowance, to which he would have been entitled had he been successfully mustered or attested from his date of enrolment; and

(b) the stipend to which he is entitled during training (whether such stipend had been received or not).

(4) The “arrears of stipend” shall be paid.

Explanation.— For the purpose of this sub-rule, “arrears of stipend” shall mean the difference between;

(a) the stipend to which he is entitled on account of the revision of his stipend under these rules for the period effective from the 1st day of January, 2016; and

(b) the stipend to which he would have been entitled (whether such stipend had been received or not) for that period had his stipend not been so revised.

9. Regulation of increments in the Pay Matrix.— The increment shall be as specified in the vertical Cells of the applicable Level in the Pay Matrix.

A Corporal in the Basic Pay of Rs. 29,600/- in Level 4 will move vertically down the Cells in the same Level and on grant of increment, his Basic Pay will be Rs. 30500/-.	Pay Band	5200 – 20200		
	Grade Pay	2000	2400	2800
	Levels	3	4	5
	1	21700	25500	29200
	2	22400	26300	30100
	3	23100	27100	31000
	4	23800	27900	31900
	5	24500	28700	32900
	6	25200	29600	33900
	7	26000	↓	34900
8	26800	31400	35900	

10. Date of increment in revised pay structure.—

(1) There shall be two dates for grant of annual increment namely, 1st January and 1st July of every year, instead of existing date of 1st July, provided that a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman or a recruit shall be entitled to only one annual increment, either on 1st January or 1st July depending on the date of his appointment or promotion or upgradation, or enrolment, as the case may be.

(2) The increment in respect of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman appointed or promoted or upgraded or in respect of a recruit enrolled during the period between the 2nd day of January and the 1st day of July (both inclusive) shall be granted on the 1st day of January and the increment in respect of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman appointed or promoted or upgraded or in respect of a recruit enrolled during the period between the 2nd day of July and the 1st day of January (both inclusive) shall be granted on the 1st day of July.

Illustration:

(a) In case of Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/ Aircraftsman promoted in the normal hierarchy during the period between the 2nd day of July, 2016 and the 1st day of January, 2017, the first increment shall accrue on the 1st day of July, 2017 and thereafter it shall accrue after one year on annual basis.

(b) In case of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/ Aircraftsman promoted in the normal hierarchy on the 15th of June 2016 and will, therefore, not draw annual increment on the 1st of July 2016. In this case the next annual increment shall accrue on the 1st day of January, 2017 and thereafter it shall accrue after one year on annual basis:

Provided that in case of a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman whose pay in the revised pay structure has been fixed as on 1st day of January, the next increment in the Level in which the pay was so fixed as on 1st day of January, 2016 shall accrue on 1st day of July, 2016.

Provided further that the next increment after drawal of increment on the 1st day of July 2016 shall accrue on the 1st day of July 2017.

11. Revision of pay from a date subsequent to the 1st day of January 2016.— Where a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman who continues to draw his pay in the existing pay structure is brought over to the revised pay structure from a date later than the 1st day of January, 2016, his pay from the later date in the revised pay structure shall be fixed in the manner prescribed in accordance with rule 7.

12. Fixation of pay on promotion or upgradation on or after the 1st day of January, 2016.— For the fixation of pay in case of promotion or upgradation from one Level to another in the revised pay structure one increment shall be given in the Level from which a Warrant Officer/ Sergeant/Corporal/Leading Aircraftsman/Aircraftsman is promoted or upgraded and he shall be placed at a Cell equal to the figure so arrived at in the level of the rank to which promoted or upgraded, and if no such Cell is available in the level to which promoted or upgraded, he shall be placed at the next higher Cell in that level.

Illustration:

1.	Level in the revised pay structure: Level 4	Pay Band	5200 – 20200		
			Grade Pay	2000	2400
2.	Basic Pay in the revised pay structure: 28700	Levels	3	4	5
3.	Granted promotion/ financial upgradation in Level 5.	1	21700	25500	29200
		2	22400	26300	30100
4.	Pay after giving one increment in Level 4: 29600	3	23100	27100	31000
		4	23800	27900	31900
		5	24500	28700	32900
5.	Pay in the upgraded Level i.e, Level 5 (either equal to or next higher to 29600 in Level 5) : 30100	6	25200	29600	33900
		7	26000	30500	34900
		8	26800	31400	35900
		9	27600	32300	37000

13. Mode of Payment of Arrears of Pay.—

(1) The arrears, computed after deduction of subscription at enhanced rate of Air Force Provident Fund with reference to revised pay, shall be paid after deduction of adhoc arrears paid as per GoI MoD letter No 1(11) 2016 /D(Pay/Services) dated 10/10/2016.

Explanation.— For the purpose of this rule, “arrears of pay” in relation to Warrant Officers/ Sergeants/Corporals/Leading Aircraftsmans/ Aircraftsmans, means the difference between:

(i) the aggregate of the pay, dearness allowance, Group ‘X’ Pay and Military Service Pay to which he is entitled on account of the revision of his pay under this Rule for the period effective from the 1st day of January, 2016; and,

(ii) the aggregate of the pay, dearness allowance, Group ‘X’ Pay and Military Service Pay to which he would have been entitled (whether such pay and dearness allowance had been received or not) for that period had his pay and dearness allowance not been so revised.

14. Overriding effect of rules.— The provisions of the Pay and Allowances Regulations for the Indian Air Force 1955, as amended from time to time, and existing instructions and regulations shall not save as otherwise provided under these Rules, apply to cases where pay is regulated under these Rules, to the extent they are inconsistent with these Rules. These Rules shall supersede Special Air Force Instructions 1/S/2008 except as respects things done or omitted to be done before such supersession.

15. Power to relax.— Where the President is satisfied that the operation of all or any of the provisions of these rules causes undue hardship in any particular case, he may, by order, dispense with or relax the requirements of that provision to such extent and subject to such conditions as he may consider necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

16. Interpretation.— If any question arises relating to the interpretation of any of the provisions of the rules contained in this rule, it shall be referred to the Central Government for decision.

SCHEDULE

[See rules 3(g) and 4]

PART A

Pay Matrix

Pay Band	5200–20200			9300–34800					15600–39100	
	2000	2400	2800	3400	4200	4600	4800	5400	5400	6100
Grade Pay	3	4	5	5A	6	7	8	9	10	10B
1	21700	25500	29200	33300	35400	44900	47600	53100	56100	61300
2	22400	26300	30100	34300	36500	46200	49000	54700	57800	63100
3	23100	27100	31000	35300	37600	47600	50500	56300	59500	65000
4	23800	27900	31900	36400	38700	49000	52000	58000	61300	67000
5	24500	28700	32900	37500	39900	50500	53600	59700	63100	69000
6	25200	29600	33900	38600	41100	52000	55200	61500	65000	71100
7	26000	30500	34900	39800	42300	53600	56900	63300	67000	73200
8	26800	31400	35900	41000	43600	55200	58600	65200	69000	75400
9	27600	32300	37000	42200	44900	56900	60400	67200	71100	77700
10	28400	33300	38100	43500	46200	58600	62200	69200	73200	80000
11	29300	34300	39200	44800	47600	60400	64100	71300	75400	82400
12	30200	35300	40400	46100	49000	62200	66000	73400	77700	84900
13	31100	36400	41600	47500	50500	64100	68000	75600	80000	87400
14	32000	37500	42800	48900	52000	66000	70000	77900	82400	90000
15	33000	38600	44100	50400	53600	68000	72100	80200	84900	92700
16	34000	39800	45400	51900	55200	70000	74300	82600	87400	95500
17	35000	41000	46800	53500	56900	72100	76500	85100	90000	98400
18	36100	42200	48200	55100	58600	74300	78800	87700	92700	101400
19	37200	43500	49600	56800	60400	76500	81200	90300	95500	104400
20	38300	44800	51100	58500	62200	78800	83600	93000	98400	107500
21	39400	46100	52600	60300	64100	81200	86100	95800	101400	110700
22	40600	47500	54200	62100	66000	83600	88700	98700	104400	114000
23	41800	48900	55800	64000	68000	86100	91400	101700	107500	117400
24	43100	50400	57500	65900	70000	88700	94100	104800	110700	120900

PART B**Level of ranks:**

Sl. No.	Rank	Level in Pay Matrix
(a)	Aircraftsman/ Leading Aircraftsman	3
(b)	Corporal	4
(c)	Sergeant	5
(d)	Junior Warrant Officer	6
(e)	Warrant Officer	7
(f)	Master Warrant Officer	8
(g)	Honorary Flying Officer	10
(h)	Honorary Flight Lieutenant	10B

FORM OF OPTION**[See rule 6(2)]**

*1. Rank _____ Name _____ Service No _____
 _____ Branch _____ hereby elect the revised pay structure with effect from 1st January, 2016.

*2. Rank _____ Name _____ Service No _____
 _____ Branch _____ hereby elect to continue in Pay Band and Grade Pay of my substantive rank mentioned below until:

the date of my next increment/ _____ the date of my subsequent increment raising my pay to Rs _____/ _____ I vacate or cease to draw pay in the existing pay structure/ The date of my promotion to _____ Existing Pay Band and Grade Pay / Existing Scale _____.

Signature _____

Name _____

Rank _____

Service No _____

Unit _____

Date: _____

Station: _____

*To be scored out, if not applicable.

UNDERTAKING

I hereby undertake that any excess payment that may be found to have been made as a result of incorrect fixation of pay or any excess payment detected in the light of discrepancies noticed subsequently will be refunded by me to the Government either by adjustment against future payments due to me or otherwise.

Signature _____

Name _____

Rank _____

Service No _____

Unit _____

Date: _____

Station: _____

[F. No. 1(9)/2016/ D (P/S)]

V. ANANDARAJAN, Jt. Secy.

Explanatory Memorandum.— The Seventh Central Pay Commission has been implemented with effect from the 1st day of January, 2016. Likewise, the Defence Personnel of the Union of India are eligible for Seventh Central Pay revision with effect from the 1st day of January, 2016. Accordingly, these Rules have been given retrospective effect with effect from the 1st day of January, 2016. It is hereby, certified that by giving retrospective to these rules no one will be adversely affected.